1. हॉकी खिलाड़ी बलबीर सिंह जूनियर का निधन

- बलबीर सिंह जूनियर, जो रजत पदक जीतने वाले 1958 के एशियाई खेलों की भारतीय हॉकी टीम के सदस्य थे, 88 वर्ष की आयु में यहां निधन हो गया!
- बलबीर सिंह जूनियर का जन्म 2 मई, 1932 को जालंधर के संसारपुर में हुआ था, जिन्हें भारत में हॉकी खिलाड़ियों की नर्सरी भी कहा जाता है।
- सिंह जब छह साल के थे, तब उन्होंने हॉकी खेली। उन्होंने जालंधर के लायलपुर खालसा कॉलेज में अध्ययन किया और पहली बार 1951 में भारतीय हॉकी टीम के लिए खेलने के लिए चुने गए।
- 1962 में, वह एक आपातकालीन कमीशन अधिकारी के रूप में सेना में शामिल हुए। उन्होंने दिल्ली में राष्ट्रीय टूर्नामेंट में सर्विसेज हॉकी टीम के लिए खेला। सिंह 1984 में मेजर के रूप में सेवानिवृत्त हुए!

2. ई-पंचायत पुरस्कार

- उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि उसने "ई-पंचायत पुरस्कार 2021" जीता है, श्रेणी में पहले स्थान पर। इसके बाद असम और छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर, जबकि ओडिशा और तमिलनाडु तीसरे स्थान पर रहे!
- हर साल, केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय उन राज्यों को पुरस्कृत करता है, जो ग्राम पंचायतों द्वारा किए गए कार्यों पर नजर रखने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करते हैं।
- इस साल, योगी आदित्यनाथ सरकार को केंद्र द्वारा विकसित ई-एप्लिकेशन और राज्य सरकार द्वारा विकसित कुछ और ऐप के निर्दोष और कुशल कार्यान्वयन के लिए सम्मानित किया गया है!

3. डॉ। बाबासाहेब अम्बेडकर

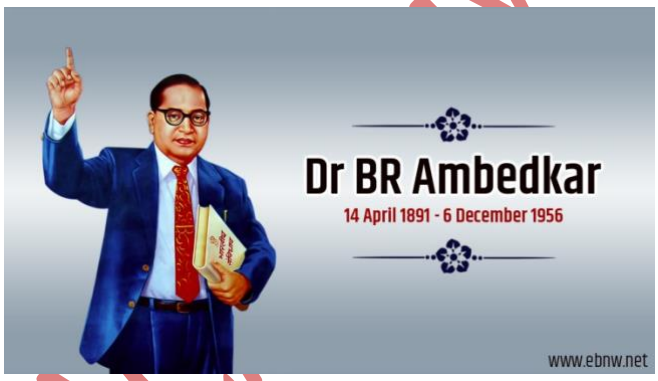

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी जयंती पर भारत रत्न डॉ। बाबासाहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि दी है।
- भीम राव अंबेडकर, जिन्हें बाबासाहेब अंबेडकर के नाम से जाना जाता है, एक प्रसिद्ध नेता और 'भारत के संविधान' के वास्तुकार थे। वह एक प्रसिद्ध राजनेता थे जिन्होंने दलितों और अन्य सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी।
- 14 अप्रैल, 1891 को जन्मे डॉ। अंबेडकर अपने शक्तिशाली भाषणों के लिए प्रसिद्ध हैं। एक प्रसिद्ध समाज सुधारक और एक दलित आइकन, उन्होंने असमानता, अन्याय और दलित समुदाय के सदस्यों के साथ भेदभाव के खिलाफ असमान रूप से बात की। वह स्वतंत्र भारत के पहले कानून और न्याय मंत्री बने।
- 6 दिसंबर, 1956 को उनका निधन हो गया। 1990 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

4. हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था- वार्ता 2021

HYDROGEN DIALOGUE 2021

- भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वावधान में एनर्जी फोरम (टीईएफ) और फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (एफआईपीआई) एक हाइड्रोजन राउंडटेबल का आयोजन कर रहे हैं, जिसका शीर्षक "हाइड्रोजन इकोनॉमी- इंडियन डायलॉग -2021" है।
- वर्चुअल मोड 15 अप्रैल, 2021 को उभरते हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्रों पर चर्चा करने और सहयोग, सहयोग और गठबंधन के अवसरों की खोज करने के लिए।
- हाइड्रोजन राउंडटेबल, अपनी तरह का पहला, एक उच्च-स्तरीय मंत्रिस्तरीय सत्र शामिल होगा, इसके बाद दुनिया के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के प्रतिष्ठित नीति निर्माताओं, विशेषज्ञों और उद्योग के नेताओं द्वारा पांच पैनल चर्चाओं के साथ नीति रोडमैप और मानचित्रण की मांग, हाइड्रोजन की आपूर्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- इस उच्च स्तरीय गोलमेज सम्मेलन का नेतृत्व भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान करेंगे!
- एक अलग सत्र भारत के हाइड्रोजन मिशन के लिए समर्पित है, जिसमें नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव डॉ। इंदु शेखर चतुर्वेदी का मुख्य भाषण होगा। समापन सत्र की अध्यक्षता पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव श्री तरुण कपूर करेंगे।
- हाइड्रोजन राउंडटेबल में 15 देशों के 25 पैनलिस्ट होंगे, जिसमें कई स्रोतों से हाइड्रोजन की क्षमता और राष्ट्रीय ऊर्जा संक्रमण में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा होगी। गोलमेज सम्मेलन में विश्व भर में लगभग 3000 भागीदारी होने की उम्मीद है।
- राउंडटेबल का उद्देश्य महाद्वीपों में हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र की प्रगति को समझना है और आकर्षक लागत पर नवीन और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए बलों में शामिल होने के लिए थिंकटैंक, सरकारों और उद्योग के बीच सामंजस्य बनाने में योगदान करना है।

5. नागालैंड के मूल निवासियों का रजिस्टर (RIIN)

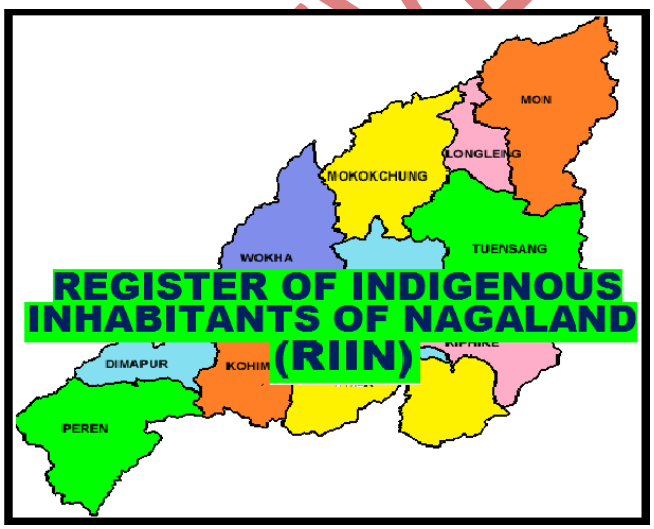

- नगा जनजातियों के एक शीर्ष निकाय ने नागालैंड सरकार से असम के नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर के एक संस्करण के रूप में देखे गए नागालैंड (RIIN) के स्वदेशी Inhabitants के रजिस्टर को तैयार करने के लिए जल्दबाजी नहीं करने के लिए कहा है।
- नगालैंड सरकार कथित तौर पर जुलाई 2019 में आरआईआईएन अभ्यास को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही है, जो बाहरी लोगों को नौकरी और सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए नकली स्वदेशी प्रमाण पत्र प्राप्त करने से रोकने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।
- राज्य सरकार ने आरआईएन के कार्यान्वयन पर "अध्ययन, परीक्षा और सिफारिश और सलाह देने" के लिए सेवानिवृत्त नौकरशाह बानो जेड जमीर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय पैनल का गठन किया था। लेकिन समुदाय आधारित और चरमपंथी संगठनों के विरोध के बाद इस अभ्यास को स्थगित कर दिया गया।
- नागा होहो, शीर्ष आदिवासी निकाय जिसने 2019 में RIIN पर आपत्ति जताई थी, ने अद्यतन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के लिए RIIN को अस्थायी समय सारिणी के साथ लागू करने के लिए राज्य सरकार की कथित बोली पर प्रतिक्रिया दी है।
- राज्य सरकार ने आरआईआईएन समिति को एक स्वदेशी निवासी होने के लिए पात्रता मानदंड निर्धारित करने का अधिकार दिया था, स्वदेशी होने के दावों को प्रमाणित करने का अधिकार, स्वदेशी निवासी के रूप में पंजीकरण का स्थान, स्वदेशी होने के दावों का आधार, और दस्तावेजों की प्रकृति जो होगी स्वदेशी होने के प्रमाण के रूप में स्वीकार्य है।
- यदि "आरआईआईएन 1 दिसंबर, 1963 को पहचान की प्रक्रिया को लागू करते हैं - जिस दिन नागालैंड ने राज्य का दर्जा प्राप्त किया - "स्थायी निवासियों" के निर्धारण की कट-ऑफ तारीख के रूप में। राज्य। इस तिथि में उन नागों को बाहर करने की संभावना है जो नागालैंड की सीमाओं से परे से आए हैं।
- नागा होहो के अनुसार, भारत में और म्यांमार में असम, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में रहने वाले नागा जनजाति अपने पैतृक मातृभूमि के लिए वैध दावा करते हैं।

6. स्पुतनिक V

- रूस के COVID वैक्सीन - स्पुतनिक वी - की विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) की बैठक के बाद भारत में आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण के लिए सिफारिश की गई है!

ACHIEVERS IAS ACADEMY

- अगर ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) द्वारा अनुमोदित किया जाता है, तो स्पुतनिक-वी ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका और भारत बायोटेक के कोवैक्सिन द्वारा विकसित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के कोविल्ड के बाद भारत में उपलब्ध होने वाला तीसरा टीका होगा।
- स्पुतनिक वी, जिसे रूस के गैमलेया रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी द्वारा विकसित किया गया है, का दावा है कि यह 90% से अधिक प्रभावकारिता के साथ दुनिया के तीन टीकों में से एक है।
- 19,866 स्वयंसेवकों पर डेटा के विश्लेषण के आधार पर, वैक्सीन की प्रभावकारिता 91.6% की पुष्टि की जाती है, जिन्होंने 78 के अंतिम नियंत्रण बिंदु पर स्पुतनिक वी वैक्सीन या प्लेसबो की दोनों खुराक प्राप्त की और COIDID-19 मामलों की पुष्टि की!
- वैश्विक बाजार के लिए वैक्सीन की आपूर्ति भारत, ब्राजील, चीन, दक्षिण कोरिया और अन्य देशों में रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष (आरडीआईएफ) के अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों द्वारा की जाएगी।
- भागीदारों और निर्माताओं के साथ संयुक्त रूप से आरडीआईएफ स्पुतनिक वी के उत्पादन को बढ़ा रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए वैक्सीन की एक खुराक की कीमत 10 डॉलर से कम है (स्पुतनिक वी एक दो खुराक टीका है)। वैक्सीन (फ्रीज-ड्राय फॉर्म) को +2 से +8 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर संग्रहीत किया जा सकता है, जो दुनिया भर में आसान वितरण की अनुमति देता है, जिसमें हार्ड-टू-पहुंच क्षेत्र भी शामिल हैं!

7. पोषण ज्ञान (Poshan Gyan)

- NITI Aayog, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और सेंटर फॉर सोशल एंड बिहेवियर चेंज, अशोका यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी में, स्वास्थ्य और पोषण पर एक राष्ट्रीय डिजिटल रिपॉजिटरी पोशन ज्ञान लॉन्च किया।
- NITI Aayog के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्रीअमिताभ कांत ने भारत में पोषण की चुनौती की प्रधानता के बारे में बताया। "यह विशेष रूप से कमजोर लोगों, जैसे गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और 6 साल से कम उम्र के बच्चों को व्यवहार संबंधी अंतर्दृष्टि के आवेदन के माध्यम से लक्षित करके हल किया जाना चाहिए। इसके अलावा, इस रणनीति को स्तनपान, टीकाकरण और कई अन्य लोगों पर व्यवहार को प्रभावित करने के लिए लागू किया जा सकता है। पोशन ज्ञान मंच मानव व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के माध्यम से उस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में व्यापक प्रभाव डाल सकता है।
- पोशन ज्ञान भंडार को एक संसाधन के रूप में अवधारणाबद्ध किया गया, जिससे विभिन्न भाषाओं, स्वास्थ्य प्रकारों, लक्ष्य दर्शकों और स्रोतों में स्वास्थ्य और पोषण के 14 विषयगत क्षेत्रों पर संचार सामग्री की खोज को सक्षम किया गया।भंडार के लिए सामग्री स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और महिला और बाल विकास और विकास संगठनों के मंत्रालयों से प्राप्त की गई थी।
- रिपॉजिटरी एक अद्वितीय क्राउडसोर्सिंग सुविधा पेश करती है जो किसी को भी वेबसाइट पर शामिल करने के लिए संचार सामग्री प्रस्तुत करने की अनुमति देती है, इसके बाद एक नामित समिति द्वारा समीक्षा की जाती है।
- कई केंद्रीय मंत्रालय- MoWCD, MoHFW, पेयजल और स्वच्छता, पंचायती राज, ग्रामीण विकास और उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण-बहुपक्षीय एजेंसियां, जैसे UNICEF और अन्य प्रमुख हितधारक जैसे FSSAI, राष्ट्रीय पोषण संस्थान, ICMR, NIRDPR , NIPCCD, F & B ने लॉन्च इवेंट में भाग लिया। इसमें BMGF, BBC Media Action, Jeevika, और Alive और Thrive जैसे विकास भागीदारों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

8. प्रायोगिक KSMS / ड्रग इंटरमीडिएट और एपीआई के घरेलू विनिर्माण के प्रसार के लिए योजना

- देश में महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण प्रारंभिक सामग्री (केएसएम) / औषधि मध्यवर्ती और सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 16 आवेदकों को मंजूरी दी गई है।
- इन 16 संयंत्रों की स्थापना से कंपनियों को कुल 3,48.70 करोड़ रुपये का निवेश और लगभग 3,042 रोजगार पैदा होंगे। इन पौधों का व्यावसायिक उत्पादन 1 अप्रैल, 2023 से शुरू होने का अनुमान है।
- देश में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और इन महत्वपूर्ण बल्क ड्रग्स में महत्वपूर्ण निर्भरता को कम करने के उद्देश्य से - प्रमुख प्रारंभिक सामग्री (KSMs) / ड्रग इंटरमीडिएट और सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (APIs), फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने एक उत्पादन लिंक प्रोत्साहन (PLI) लॉन्च किया था) चार अलग-अलग लक्ष्य सेगमेंट में न्यूनतम घरेलू मूल्य संवर्धन के साथ (दो किण्वन आधारित - कम

ACHIEVERS IAS ACADEMY

से कम 90 % और दो रासायनिक संश्लेषण आधारित - कम से कम 70 % के साथ) 41 उत्पादों के लिए ग्रीनफील्ड संयंत्र स्थापित करके उनके घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए योजना रुपये का कुल परिव्यय। 6,940 करोड़ है। 2020-21 से 2029-30 की अवधि के लिए।

- चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के तहत, सभी 28 आवेदनों पर विचार करने के बाद, सरकार द्वारा रुपये के प्रतिबद्ध निवेश के साथ 14 आवेदनों को मंजूरी दी गई है। 873.93 करोड़। जिससे अधिकतम रु। रुपये के कुल बजट परिव्यय के खिलाफ। 3,420 करोड़ है। सरकार ने अनुमोदित परिव्यय का उपयोग करने के लिए पीएलआई योजनाओं में बल्क ड्रग्स और मेडिकल उपकरणों के लिए खुला / कम-कवर उत्पादों के लिए फिर से आमंत्रित करने का निर्णय लिया है।
- भारतीय दवा उद्योग वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे कई उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में इसकी उच्च बाजार उपस्थिति है। उद्योग को अच्छी तरह से सस्ती दवाओं के उत्पादन के लिए जाना जाता है, खासकर जेनरिक स्पेस में। हालांकि, देश बुनियादी कच्चे माल, अर्थात, दवाइयों के उत्पादन के लिए उपयोग किए जाने वाले बल्क ड्रग्स के आयात पर काफी निर्भर है। कुछ विशिष्ट थोक दवाओं में, आयात निर्भरता 80 से 100% है।

9. ई-संता (e-SANTA)

- केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने एक्वा किसानों और खरीदारों को जोड़ने के लिए एक मंच प्रदान करने वाले इलेक्ट्रॉनिक बाज़ार का वस्तुतः उद्घाटन किया। यह किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त करने में सक्षम होगा और निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में एक महत्वपूर्ण कारक, ट्रेसेबिलिटी बढ़ाने वाले किसानों से सीधे गुणवत्ता वाले उत्पादों की खरीद करने में सक्षम होना चाहिए। ई-संता शब्द वेब पोर्टल के लिए तैयार किया गया था, जिसका अर्थ है एक्वाकल्चर में NaCSA किसानों के व्यापार को संवर्धित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक समाधान। नेशनल सेंटर फॉर सस्टेनेबल एक्वाकल्चर (NaCSA) समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (MPEDA), सरकार का एक विस्तार शाखा है। भारत का, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय।
- ई-संता आय, जीवन शैली, आत्मनिर्भरता, गुणवत्ता के स्तर, अतिक्रमण को बढ़ाएगा और हमारे एक्वा किसानों के लिए नए विकल्प प्रदान करेगा।
- मंच औपचारिक रूप से और कानूनी रूप से बाध्यकारी बनने के लिए मुंह के शब्द से व्यापार करने के पारंपरिक तरीके को बदल देगा।
- **ई-संता किसानों के जीवन और आय को बढ़ाएगा:**
- **जोखिम कम करना**
- **उत्पादों और बाजारों के बारे में जागरूकता**
- **आय में वृद्धि**
- **गलत अभ्यास के खिलाफ परिरक्षण**
- **प्रक्रियाओं में आसानी**
- **ई-संता बाजार विभाजन को समाप्त करने के लिए एक डिजिटल ब्रिज है और बिचौलियों को खत्म करके किसानों और खरीदारों के बीच एक वैकल्पिक विपणन उपकरण के रूप में कार्य करेगा। यह किसानों और निर्यातकों के बीच कैशलेस, कॉन्टैक्टलेस और पेपरलेस इलेक्ट्रॉनिक ट्रेड प्लेटफॉर्म प्रदान करके पारंपरिक एक्वाफर्मिंग में क्रांति लाएगा। "ई-संता सामूहिक रूप से उत्पादों को खरीदने के लिए एक उपकरण बन सकता है, जिस तरह के खरीदार, मछुआरे और मछली उत्पादक संगठन कटाई कर रहे हैं, इसलिए भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोग जान सकते हैं कि भविष्य में क्या उपलब्ध है और क्या है, यह एक नीलामी मंच बन सकता है! प्लेटफ़ॉर्म कई भाषाओं में उपलब्ध है, जो स्थानीय आबादी की मदद करेगा।**

10.नेटवर्क सर्वेक्षण वाहन

- यात्रियों को बेहतर सड़क उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, NHAI ने राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नेटवर्क सर्वेक्षण वाहन (NSV) को तैनात करने का निर्णय लिया है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर NSV का उपयोग कर सड़क की स्थिति का सर्वेक्षण करना परियोजना के पूरा होने और उसके बाद हर छह महीने में प्रमाणित करने के समय अनिवार्य किया गया है। परामर्श सेवाओं के मानक बोली दस्तावेज के एक भाग के रूप में प्रावधान को भी शामिल किया गया है।
- तैनाती से राजमार्गों की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाने में मदद मिलेगी क्योंकि एनएसवी नवीनतम सर्वेक्षण तकनीकों का उपयोग करता है जैसे कि 3600 इमेजरी के लिए उच्च-रिज़ॉल्यूशन डिजिटल कैमरा, नियमित अंतराल पर रिकॉर्ड चित्र / वीडियो, लेजर रोड प्रोफिलोमीटर और अन्य संबंधित प्रौद्योगिकी में संकटों के मापन के लिए। सड़क की सतह।

ACHIEVERS IAS ACADEMY

- एनएसवी सड़क की सतह के मापन, सतह की खुर, गड्ढों और पैच सहित सड़क की स्थिति का विश्लेषण करने के लिए कोलाज डेटा को भी मदद करेगा। इसके अलावा, एनएसवी साइड नालियों और सड़क फर्नीचर आदि से संबंधित डेटा अंतर्दृष्टि भी प्रदान करेगा।
- NSV सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्र किए गए डेटा को NHAI के based AI 'आधारित पोर्टल डेटा लेक पर अपलोड किया जाएगा, जहां रखरखाव के लिए प्राथमिकता देने के लिए सड़क की स्थिति / खुरदरापन का आकलन करने के लिए सड़क संपत्ति प्रबंधन सेल (RAMS सेल) द्वारा इसका विश्लेषण किया जाएगा।
- एनएसवी सर्वेक्षणों के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़े सड़क की स्थिति में कमियों को उजागर करेंगे, बीओटी ऑपरेटरों / एनएचएआई के अधिकारियों को सड़क की स्थिति को वांछित स्तर पर लाने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। यह आगे राष्ट्रीय राजमार्गों के बेहतर रखरखाव का परिणाम देगा, जिससे राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक आरामदायक और बेहतर यात्रा अनुभव होगा।

ACHIEVERS IAS ACADEMY